नईदुनिया
नई सोच, नया अंदाज
रायपुर
सोमवार, 5 फरवरी 2018

# अब छत्तीसगढ़ में जल्द खुलेगा सीआरएसआई का लोकल चेप्टर

## रविवि में रसायन संगोष्ठी के समापन पर की घोषणा

रसायन अध्ययन शाला में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

**रायपुर। नईदुनिया रिपोर्टर**

पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की रसायन अध्ययन शाला में आयोजित चार दिवसीय 22वीं सीआरएसआई-राष्ट्रीय संगोष्ठी का रविवार को समापन हुआ। सीआरएसआई बेंगलुरू ने छत्तीसगढ़ में केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई) का लोकल चेप्टर खोलने का घोषणा की। संगोष्ठी में देश-विदेश से 250 से अधिक शोध छात्र-छात्राओं व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। रविवार को प्रथम तकनीक सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई के प्रो. सी पुल्ला राव ने व्याख्यान दिया। उन्होंने अकार्बनिक प्रोटीन संयोग पर कई रोचक जानकारी दी।

### पोस्टर प्रतियोगिता में 14 पुरस्कार

समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पर 14 पुरस्कार प्रदान किए गए। इसमें अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के ओर से पथ्म बाधारी, आईआईटी मद्रास निधि पटेल, आईएनएसटी मोहाली आदित्य भट्टाचार्य, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल विवि अमरकंटक को पुरस्कार प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ अंचल के युवा वैज्ञानिक का पुरस्कार रसायन अध्ययन शाला के युवा प्रो. डॉ मनमोहन लाल सतनामी को मिला। यह पुरस्कार उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए दिया गया। प्रो. एन सत्यमूर्ति ने रविवि की रसायन अध्ययन शाला तथा पर्यावरण अध्ययन शाला, सेन्टर फॉर बेसिक साइंस के छात्र-छात्राओं को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

विद्यार्थियों को जरूरी जानकारी देते अतिथि।

नईदुनिया
नई सोच, नया अंदाज
रायपुर
सोमवार, 5 फरवरी 2018

# कागनेटिक साइंस के तहत रौर्शा के हर पहलू पर चर्चा

**रायपुर।** पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के चौथे दिन सेंटर फार कागनेटिक साइंस के तत्वावधान में कई विषयों पर चर्चा हुई। प्रशिक्षण देने के लिए वरिष्ठ, विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक श्रीद्वारिका प्रसाद रायपुर आए हैं, जो पीजीआई चंडीगढ़ से सेवानिवृत्त हैं। कार्यशाला में लगभग 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कागनेटिव एबिलिटीस के विभिन्न टेस्ट के बाद रविवार को रौर्शा का व्यवहारात्मक अध्ययन किया गया। यह टेस्ट अचेतन मन के संज्ञानात्मक, भावात्मक व क्रियात्मक तीनों पहलुओं का एकसाथ मापन व अध्ययन करने में सक्षम है। डॉ. प्रोमिला सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहे सेंटर फॉर कागनेटिव साइंस आगे भी इस प्रकार के कार्य करने में प्रयासरत रहेगा।